

आईसीसी वनडे रैंकिंग में स्मृति मंधाना का जलवा

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

दुबई में फंसीं ईशा गुप्ता सुरक्षित भारत लौटीं



Page-05

कांग्रेस ने 42 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की, जोरहाट से गौरव गोगोई मैदान में



असम में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। सभी प्रमुख दल चुनावी रणनीति को अंतिम रूप देने में जुटे हैं और नेताओं के बीच बयानबाजी का दौर भी शुरू हो चुका है। इसी बीच कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर चुनावी बिगुल फूंक दिया है।कांग्रेस की ओर से जारी पहली सूची में कुल 42 प्रत्याशियों के नाम शामिल हैं। इस सूची में सबसे चर्चित नाम असम कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद गौरव गोगोई का है, जिन्हें जोरहाट विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। गोगोई का नाम सामने आने के बाद राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।कांग्रेस ने विभिन्न जिलों और महत्वपूर्ण सीटों को ध्यान में रखते हुए उम्मीदवारों का चयन किया है। पार्टी की सूची के अनुसार, बरपेटा सीट से महानंदा सरकार, हाजो-सुआलकुची से नंदिता दास, कमलपुर से सत्यब्रत कलिता, दिसपुर से मिरा बोरठाकुर गोस्वामी, बरखेत्री से दिगांत बर्मन और नलबारी से अशोक कुमार सरमा को टिकट दिया गया है।इसके अलावा टिहू सीट से रतुल पटवारी, सिपाझार से बिनंदा कुमार सैक्य, जागीरोड से बाबुल दास, राहा से उत्पल बनिया, बरछला से रिपुन बोरा, बिहपुरिया से नारायन भुईयां और जोनई से राजकुमार मेडक को भी पार्टी ने मैदान में उतारा है। कांग्रेस की यह पहली सूची संकेत देती है कि पार्टी इस बार संतुलित और क्षेत्रीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए चुनावी रणनीति पर काम कर रही है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में अन्य उम्मीदवारों की सूची भी जारी की जाएगी।असम में इस वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक माहौल गर्म हो चुका है। ऐसे में कांग्रेस की पहली सूची ने राज्य की चुनावी राजनीति को नई दिशा दे दी है। अब सभी की नजरें अन्य दलों की रणनीति और आगामी घोषणाओं पर टिकी हैं।

CM से लेकर आम लोग भी झूमे

मुंबई से अहमदाबाद तक रंगों का जश्न

- देशभर में होली का उत्सव जोरों पर है। देर रात होलिका दहन के कार्यक्रमों के बाद आज सुबह से ही लोग एक-दूसरे को रंग, अबीर और गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दे रहे हैं। मुंबई, कोलकाता, अहमदाबाद, जयपुर और अन्य बड़े शहरों में रंगों का खेल और उत्साह देखते ही बन रहा है।मुंबई में, सड़कें और पार्क बच्चों, युवाओं और परिवारों से रंग-बिरंगे नजर आए। लोग पानी की बॉल्स और रंगों के गुब्बारों से होली खेलते दिखे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आवास पर भी इस रंगोत्सव का आनंद देखा गया। मुख्यमंत्री ने अपने परिवार के साथ पारंपरिक तरीके से होली मनाई और सामाजिक दूरी बनाए रखते हुए उत्सव का हिस्सा बने।अहमदाबाद और जयपुर जैसे शहरों में भी लोग सुबह से ही अपने पड़ोसियों और दोस्तों के साथ रंग खेलते नजर आए। कोलकाता में छम-छम बजती ढोलक और गाजे के साथ होली का जश्न पूरे जोश के साथ मनाया गया।सांस्कृतिक कार्यक्रमों और रंगोत्सव के साथ-साथ लोग पारंपरिक गुजिया और ठंडाई का आनंद भी ले रहे हैं। शहरों में कई जगहों पर होली मेलों का आयोजन भी किया गया, जहां बच्चे और बड़े रंगों के साथ-साथ मनोरंजन का हिस्सा बने।देशभर में इस वर्ष होली का उत्सव लोगों के बीच खुशियों और





असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स की बिल्डिंग पर निशाना

ईरान में सुप्रीम लीडर के चुनाव के बीच इजरायल का हमला

ईरान में नए सुप्रीम लीडर के चयन की प्रक्रिया के बीच इजरायल ने कोम शहर में हवाई हमला किया है। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स की उस इमारत को निशाना बनाया गया, जहां ईरान के प्रमुख धार्मिक गुरु इकट्ठा हुए थे।हालांकि, ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी का दावा है कि जिस इमारत पर हमला हुआ, वहां कोई सेशन नहीं हो रहा था और असेंबली की वोटिंग रिमोटली हो रही थी। इस हमले में इमारत को भारी नुकसान पहुंचा है, लेकिन अंदर मौजूद लोगों की संख्या और किसी के घायल होने या मारे जाने की आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है।असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स में कुल 88 सदस्य होते हैं, जो ईरान के सुप्रीम लीडर का चयन करते हैं। फार्स न्यूज के अनुसार, सुप्रीम लीडर चुनने के लिए वोटिंग का आखिरी दौर चल रहा है।यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब ईरान में राजनीतिक और धार्मिक नेतृत्व में बदलाव की प्रक्रिया तेज हो रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के हमले देश की आंतरिक स्थिरता पर असर डाल सकते हैं और कोई आधिकारिक बयान अभी तक नहीं आया है। वहीं, ईरानी अधिकारियों ने सुरक्षा बढ़ा दी है और प्रभावित क्षेत्र में राहत एवं जांच कार्य शुरू कर दिए हैं।इस हमले ने न केवल स्थानीय सुरक्षा को सवालों के घेरे में डाल दिया है, बल्कि ईरान की



अंतरराष्ट्रीय तनाव को भी बढ़ावा दे सकते हैं।इजरायल की तरफ से हमले की पुष्टि या राजनीतिक प्रक्रिया और सुप्रीम लीडर के चुनाव को भी चुनौतीपूर्ण बना दिया है।

चंद्र ग्रहण खत्म होते ही शुद्धिकरणके बाद खुले मंदिरों के कपाट



साल 2026 का पहला चंद्र ग्रहण समाप्त हो गया है। चंद्र ग्रहण मंगलवार (3 मार्च 2026) दोपहर 3.21 बजे शुरू हुआ और शाम 6.47 बजे तक रहा। भारत के पूर्वी हिस्से में चंद्र ग्रहण सबसे पहले दिखा। कोलकाता में पूर्णिमा का चांद ग्रहण के चलते आधा दिखाई दिया। ग्रहण समाप्त होने के बाद मंदिरों में भगवान को स्नान कराया गया। श्रृंगार और भोग आरती के बाद मंदिर खुल गए।इसके पहले ग्रहण का 'सूतक काल' सुबह शुरू हो गया था। देशभर के मंदिरों के पट सुबह मंगल आरती के बाद बंद कर दिए गए थे।

सीट शेयरिंग पर कांग्रेस बनाम DMK

स्टालिन से चिदंबरम की मुलाकात के बाद क्या बने समीकरण

तमिलनाडु में इस साल विधानसभा चुनाव का आयोजन होना है। ऐसे में राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी तैयारियों में जुट गए हैं। चुनावी तैयारियों के बीच तमिलनाडु के मुख्यमंत्री M K स्टालिन से कांग्रेस के सीनियर लीडर P चिदम्बरम ने मुलाकात की है। जानकारी के मुताबिक, करीब एक घण्टे तक चली मीटिंग में सीट शेयरिंग को लेकर विस्तृत चर्चा की गई है। हालांकि, P चिदम्बरम ने CM स्टालिन के निवास पर हुई इस मुलाकात के बाद मीडिया से कोई बातचीत नहीं की। अब तक, तमिलनाडु के AICC इंचार्ज, गिरीश चोडांकर, कांग्रेस सीट-शेयरिंग कमिटी के हेड के तौर पर DMK के साथ बातचीत कर रहे थे, सूत्रों के मुताबिक उनके टोन को लेकर MK स्टालिन ने आपत्ति दर्ज करवाई थी जिसके बाद अपनी स्ट्रैटेजी बदलते हुए, कांग्रेस हाईकमान ने आने वाले विधानसभा चुनावों के लिए DMK के साथ सीट-शेयरिंग पर बातचीत करने के लिए तमिलनाडु के सीनियर कांग्रेस लीडर पी चिदम्बरम को भेजा। सूत्रों के मुताबिक, पहले सत्ता में साझेदारी की मांग पर अड़ी कांग्रेस अब सिर्फ बढ़ी हुई सीटों तक सीमित हो गयी है। पहले 41 सीटों की मांग पर अड़ी कांग्रेस अब 36 सीटों तक आई है लेकिन DMK की ओर से साफ-साफ कह दिया गया है पिछली बार जो 25 सीटें दी गयी थीं उससे एक सीट भी ज्यादा देने की हालत में DMK नहीं है। अगर कांग्रेस चाहे तो एक राज्यसभा की सीट अतिरिक्त दी जा सकती है। चिदम्बरम के साथ सीएम MK स्टालिन की आज की बैठक के बाद सूत्र इस बात की ओर इशारा कर रहे हैं कि 29 सीट और 2 राज्यसभा सीट का फाइनल ऑफर DMK ने कांग्रेस को दिया है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से विचार विमर्श के बाद इस पर जल्द फैसला लिए जाने की संभावना है। गौरतलब है कि सोमवार को DMK ने कांग्रेस को दो टूक कह दिया था कि जो 25 सीटें DMK दे रही है अगर कांग्रेस उस पर राजी नहीं है तो वो गठबंधन से बाहर जाने के लिए स्वतंत्र है।





रूस का तनाव कम करने का प्रयास

ईरान पर अमेरिकी-इज़राइल हमलों के बाद वार्ता जारी

मध्य पूर्व में अमेरिका और इज़राइल के ईरान पर बड़े पैमाने पर सैन्य हमलों के बाद क्षेत्रीय तनाव बढ़ गया है। रूस ने पुतिन के माध्यम से सभी पक्षों से वार्ता कर स्थिति को शांत करने का प्रयास शुरू किया है। ईरानी जवाबी हमलों में खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और इज़राइल को निशाना बनाया गया।



टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

ईरान और खाड़ी देशों में बढ़ते तनाव के बीच रूस ने कहा है कि राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन क्षेत्रीय तनाव को कम करने के लिए पूरी कोशिश करेंगे। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने पत्रकारों को बताया कि पुतिन ने सोमवार को खाड़ी देशों के वार्ताकारों के साथ बातचीत में ईरानी ठिकानों और इंफ्रास्ट्रक्चर पर हुए हमलों पर अपनी गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह बातचीत वस्तुस्थिति को समझने और ईरानी नेतृत्व के साथ आगे की वार्ता सही दिशा में बढ़ाने के प्रयास का हिस्सा है।अमेरिका और इज़राइल ने 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान शुरू किया था। इस हमले में तेहरान और ईरान के कई प्रमुख शहरों को निशाना बनाया गया। व्हाइट हाउस ने हमले को ईरान द्वारा कथित मिसाइल और न्यूक्लियर खतरों के हवाले से सही ठहराया। उसी समय अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरानी जनता से अपनी सरकार के खिलाफ उठ खड़े होने और सत्ता पर कब्जा करने की खुली अपील की, जिससे वैश्विक स्तर पर तनाव और बढ़ गया।इस अभियान के बाद रूस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से कोई बातचीत नहीं की है। पेसकोव ने कहा कि फिलहाल ऐसी कोई योजना नहीं बनाई गई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि रूस का उद्देश्य स्थिति को समझना और सभी पक्षों के बीच वार्ता के जरिए तनाव कम करना है।हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई और इस्लामिक रिपब्लिक के कई बड़े नेता मारे गए। इसके जवाब में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने जवाबी कार्रवाई का ऐलान किया। उन्होंने इज़राइल के कई ठिकानों को निशाना बनाया और खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य बेस, जिनमें बहरीन, जॉर्डन, कतर, कुवैत, यूएई और सऊदी अरब शामिल हैं, पर भी हमले किए।पेसकोव ने कहा कि रूस लगातार सभी पक्षों से संपर्क कर रहा है ताकि क्षेत्रीय संकट और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा पर खतरे को कम किया जा सके। उनका कहना है कि मौजूदा समय में सभी देशों को संयम बरतना और बातचीत के जरिए समाधान तलाशना आवश्यक है।विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका-इज़राइल की यह संयुक्त कार्रवाई और ईरानी जवाबी हमले मध्य पूर्व में पहले से ही जटिल सुरक्षा स्थिति को और अधिक संवेदनशील बना सकते हैं। वहीं रूस की मध्यस्थता की पहल अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए तनाव को कम करने का प्रयास मानी जा रही है।

पाकिस्तान में बढ़ा विरोध, शहबाज और सेना प्रमुख के खिलाफ नारे

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

पाकिस्तान अधिकृत गिलगित-बाल्टिस्तान के स्कार्दू और गिलगित में हाल ही में हुई सीधी गोलीबारी ने क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इस गोलीबारी में छह बच्चों सहित कम से कम 13 लोगों की कथित तौर पर मौत हो गई। मृतकों की संख्या और गोलीबारी की परिस्थितियों को लेकर स्थानीय लोगों में गहरी नाराजगी और आक्रोश देखने को मिल रहा है।घटना के बाद आज दान्योर चौक पर पाकिस्तानी सेना और शासकों के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। प्रदर्शनकारियों ने सेना प्रमुख आसिम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के खिलाफ नारे लगाए। स्थानीय लोग पाकिस्तानी सेना द्वारा लागू की जा रही दमनकारी नीतियों और मनमानी के खिलाफ विरोध जता रहे हैं।विरोध प्रदर्शन उस समय भड़क उठे जब अमेरिका और इजराइल विरोधी तथा ईरान समर्थक रैलियों के दौरान हिंसा बढ़ी। इसके जवाब में पाकिस्तानी सेना ने कथित तौर पर सीधी गोलीबारी का आदेश दिया। इस कार्रवाई में नागरिकों की जान जाने की घटनाओं ने स्थानीय समुदाय में गुस्सा और भय पैदा कर दिया।सोशल मीडिया पर वायरल हुए कई वीडियो में प्रदर्शनकारी सेना प्रमुख और प्रधानमंत्री के खिलाफ नारे लगाते हुए दिख रहे हैं। वीडियो में युवा और बुजुर्ग दोनों ही प्रदर्शन में शामिल हैं और उन्होंने यह जताया कि स्थानीय लोग अपनी आवाज उठाने से नहीं डरेंगे।विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की घटनाओं से क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति और बिगड़ सकती है। वहीं स्थानीय लोग सुरक्षा बलों की कार्रवाई और राजनीतिक नेतृत्व की नीतियों को दोषी मानते हुए शांतिपूर्ण समाधान की मांग कर रहे हैं।गिलगित-बाल्टिस्तान में हालिया घटनाओं ने न केवल वहां के स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा को सवालों के घेरे में ला दिया है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय ध्यान भी खींचा है।



ट्रंप का बड़ा बयान

ईरान बातचीत चाहता है, लेकिन अब बहुत देर हो चुकी है

भारत ने खाड़ी और ईरान संघर्ष पर जताई चिंता

नागरिक सुरक्षा को बताया प्राथमिक

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

भारत ने ईरान और खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते संघर्ष पर गहरी चिंता जताई है और कहा है कि वह हालात पर लगातार नजर रख रहा है। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि सरकार राष्ट्रीय हित और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जरूरी फैसले ले रही है।विदेश मंत्रालय ने बताया कि खाड़ी क्षेत्र में लगभग एक करोड़ भारतीय नागरिक रहते हैं, जिनकी सुरक्षा भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध जैसी परिस्थितियों के बावजूद भारत लगातार स्थिति की निगरानी कर रहा है और अपने नागरिकों, आर्थिक हितों और क्षेत्रीय स्थिरता की रक्षा पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।बयान में कहा गया है कि 28 फरवरी 2026 को ईरान और खाड़ी में संघर्ष शुरू होने के बाद भारत ने तुरंत गहरी चिंता जताई थी और सभी पक्षों से संयम बरतने और स्थिति को और बिगाड़ने से बचने की अपील की थी। मंत्रालय ने यह भी बताया कि रमजान के पवित्र महीने में हालात और बिगड़े हैं और संघर्ष का असर अन्य देशों तक फैलता दिख रहा है।विदेश मंत्रालय ने दोहराया कि भारत किसी भी स्थिति में अपने नागरिकों और व्यापारिक हितों की रक्षा करेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत की नीति मध्य पूर्व में संतुलित और शांतिपूर्ण दृष्टिकोण को दर्शाती है। इसके तहत भारत किसी भी प्रत्यक्ष सैन्य संघर्ष में शामिल नहीं होगा और कूटनीतिक संवाद के जरिए स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास करेगा।



खाड़ी संघर्ष के बीच PM मोदी सक्रिय

ओमान और कुवैत के नेताओं से की महत्वपूर्ण बातचीत

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय



अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध की आग इन्हीं देशों तक ही नहीं सीमित है बल्कि पूरा मिडिल ईस्ट इसकी आग में जल रहा है. भारत भी इन हालातों पर नजर बनाए हुए है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार (3 मार्च) को दोपहर में खाड़ी क्षेत्र के दो बड़े नेताओं से बातचीत की है और वहां हुए हमले और भारतीयों की सुरक्षा को लेकर चर्चा की. प्रधानमंत्री मोदी ने ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक से फोन पर बातचीत की. इसके अलावा, कुवैत के युवराज शेख सबाह अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह से भी बातचीत की. इस दौरान पीएम मोदी ने इन देशों में हुए हमलों को लेकर चिंता जताई और वहां रहने वाले भारतीय समुदाय की सुरक्षा को लेकर चर्चा की. वहीं, पश्चिमी एशिया में जारी तनाव के बीच भारतीय विदेश मंत्रालय का बड़ा बयान सामने आया है. प्रवक्ता की ओर से जारी बयान में साफ किया गया है कि भारत संवाद और कूटनीति से समाधान को दोहराता है. भारत संघर्ष के जल्द से जल्द खत्म होने के लिए आवाज उठा रहे हैं. इसमें कई जानें जा चुकी हैं,जिसको लेकर भारत ने गहरा दुख जताया है. मंत्रालय की ओर से आगे कहा गया कि रमजान के पवित्र महीने में, क्षेत्र में स्थिति लगातार और काफी बिगड़ गई है. खाड़ी देशों में काम करने वाले भारतीय नागरिकों की संख्या 1 करोड़ से भी ज्यादा है. जिनकी सुरक्षा की चिंता भारत की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है.साथ ही कहा गया कि देश के व्यापार और ऊर्जा की सप्लाई चेन भी इसी इलाके से होकर गुजरती है. ऐसे में किसी भी बड़े व्यवधान से भारत की अर्थव्यवस्था पर भी गहरा असर पड़ेगा. भारत की ओर से व्यापारिक जहाजों पर हमले का कड़ा विरोध जताया गया. यह भी जोड़ा गया कि हाल में कई ऐसे अटैक में भारतीय नागरिक जान गंवा चुके हैं या लापता हैं.

ईरान ने यूरोप को दी कड़ी चेतावनी

अमेरिका-इज़राइल का साथ देने पर युद्ध मानने की बात

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय



पश्चिम एशिया में जारी तनाव और संघर्ष के बीच ईरान ने यूरोपीय देशों को कड़ी चेतावनी दी है। ईरानी अधिकारियों ने कहा है कि अगर यूरोप किसी भी रूप में अमेरिका और इज़राइल के सैन्य अभियानों में शामिल होता है, तो इसे ईरान के खिलाफ सीधे युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा।यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका और इज़राइल ने 28 फरवरी को ईरान पर बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान शुरू किया था। इस हमले में तेहरान और अन्य प्रमुख शहरों को निशाना बनाया गया। व्हाइट हाउस ने इसे ईरान के कथित मिसाइल और न्यूक्लियर खतरे के हवाले से सही ठहराया। उसी समय अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरानी जनता से अपनी सरकार के खिलाफ उठ खड़े होने और सत्ता पर कब्जा करने की अपील भी की थी।इसके जवाब में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने जवाबी कार्रवाई की घोषणा की और इज़राइल के साथ-साथ खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए। इस स्थिति ने पूरे क्षेत्र में सुरक्षा और राजनीतिक तनाव को और बढ़ा दिया है।ईरानी अधिकारियों ने साफ कहा है कि कोई भी यूरोपीय देश अमेरिका या इज़राइल का समर्थन करेगा, तो इसे युद्ध की कार्रवाई के रूप में देखा जाएगा। यह चेतावनी यूरोप के लिए एक गंभीर संदेश है और इसे मध्य पूर्व में बढ़ते अंतरराष्ट्रीय तनाव और संभावित सैन्य संघर्ष के संदर्भ में लिया जा रहा है।विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्थिति वैश्विक कूटनीति के लिए चुनौतीपूर्ण है। यूरोपीय देशों के सामने यह स्पष्ट संदेश है कि किसी भी प्रकार का समर्थन क्षेत्रीय संतुलन को और बिगाड़ सकता है। वर्तमान समय में तनाव कम करने के लिए सभी पक्षों से संयम और कूटनीतिक प्रयास की आवश्यकता है।

संपादक की कलम से

भारत ने मध्य पूर्व में ईरान और अमेरिका-इस्राइल के बीच जारी संघर्ष पर संतुलित और शांतिपूर्ण रुख अपनाया है, जिसमें वह सभी पक्षों से संयम, संवाद और कूटनीति के जरिये समाधान की अपील कर रहा है। भारत ने तनाव के बढ़ते प्रभाव पर गंभीर चिंता जताई है, क्षेत्रीय स्थिरता, ऊर्जा सुरक्षा और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता बताया है। हाल के बयान में भारत ने कहा है कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए संघर्ष को जल्द समाप्त करने पर जोर देना आवश्यक है और किसी भी तरह की भागीदारी को संघर्ष की और बढ़ोतरी नहीं करनी चाहिए।भारत ने न केवल सभी पक्षों से बड़े युद्ध के विस्तार से बचने की अपील की है, बल्कि कूटनीतिक दृष्टिकोण से संवाद और शांति स्थापना को प्राथमिकता दी है। सरकार ने विदेशी यात्रियों को सुरक्षा सलाह जारी की है और यह भी स्पष्ट किया है कि भारतीय नागरिकों के तत्काल निकासी की तैयारियाँ की जा सकती हैं यदि हालात बिगड़ते हैं। इसी के साथ भारत ने यह पाथेय भी दिया है कि क्षेत्र में संघर्ष और अस्थिरता भारतीय हितों, व्यापार एवं ऊर्जा आपूर्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है, इसलिए यह आवश्यक है कि किसी भी तरह का समर्थन संघर्ष को और बिगाड़े, उससे बचा जाए।भारत की यह नीति इस क्षेत्र में उसकी रणनीतिक संतुलन-दृष्टि को दर्शाती है — वह किसी भी दो संबंधों (जैसे कि ईरान के साथ ऐतिहासिक साझेदारी और इस्राइल के साथ सुरक्षा व तकनीकी सहयोग) को जोखिम में डाले बिना संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान चाहता है। उसे इस बात की भी सलाह दी जा रही है कि वह अपने संसाधनों और शक्ति का उपयोग कूटनीतिक दबाव और वार्ता में करे, न कि किसी पक्ष के साथ सीधी सैन्य भागीदारी में।इस तरह भारत की स्थिति इस संघर्ष में औपचारिक पक्षधरता से परे रहते हुए, शांति, सुरक्षा और अपने नागरिकों व राष्ट्रीय हितों की रक्षा पर केंद्रित बनी हुई है।

सोनिया गांधी ने ईरान के सुप्रीम लीडर की हत्या पर भारत की चुप्पी पर उठाए सवाल

कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी ने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई की हत्या पर भारत सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा तटस्थता जिम्मेदारी से पीछे हटने के बराबर है और भारत को अपने नागरिकों, कूटनीतिक हित और विश्वसनीयता को ध्यान में रखते हुए स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए। सोनिया ने भारत-ईरान ऐतिहासिक रिश्तों और संविधान में तय गुटनिरपेक्ष नीति का हवाला देते हुए सरकार से सिद्धांत आधारित निर्णय की अपील की है।



टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कांग्रेस की राज्यसभा सांसद और पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के बाद भारत सरकार की चुप्पी पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की मौजूदा तटस्थता चिंता का विषय है और यह जिम्मेदारी से पीछे हटने के समान है, न कि वास्तविक न्यूट्रल रुख।सोनिया गांधी ने मंगलवार को इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित अपने आर्टिकल में लिखा कि 1 मार्च को ईरान ने पुष्टि की कि उनके सुप्रीम लीडर को अमेरिका और इज़राइल के टारगेटेड हमले में मार दिया गया। उन्होंने कहा कि यह हमला उस समय हुआ जब दो देशों के बीच डिप्लोमैटिक बातचीत जारी थी। किसी मौजूदा राष्ट्राध्यक्ष की हत्या अंतरराष्ट्रीय संबंधों में गंभीर दरार का संकेत देती है और यह वैश्विक नियमों, विशेषकर संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2(4) के खिलाफ है।सोनिया ने कहा कि भारत सरकार ने इस हत्या की न तो निंदा की और न ही ईरान की संप्रभुता के उल्लंघन पर कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आलोचना की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केवल यूएई पर ईरान की जवाबी कार्रवाई की निंदा की, जबकि अमेरिका-इज़राइल के हमले को अनदेखा किया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने 'गहरी चिंता' और 'कूटनीति एवं संवाद' की बातें कीं।सोनिया गांधी ने अपने आर्टिकल में पांच प्रमुख बिंदुओं पर जोर दिया। पहला, हत्या बिना युद्ध की घोषणा के हुई और यह अंतरराष्ट्रीय नियमों के खिलाफ है। दूसरा, प्रधानमंत्री का हालिया इज़राइल दौरा और वहां नेतन्याहू सरकार का समर्थन। तीसरा, ग्लोबल साउथ और ब्रिक्स के सदस्य देशों ने दूरी बनाए रखी, इसलिए भारत का स्पष्ट रुख गलत संदेश दे सकता है। चौथा, कांग्रेस ने ईरान में बमबारी और टारगेट किलिंग की निंदा की और क्षेत्रीय स्थिरता तथा शिया समुदाय की सुरक्षा पर ध्यान देने की बात कही। और पांचवा, भारत के संविधान के अनुच्छेद 51 के अनुसार विवाद बातचीत और समान सम्मान के आधार पर सुलझाए जाने चाहिए।सोनिया गांधी ने भारत और ईरान के ऐतिहासिक संबंधों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 1994 में ईरान ने कश्मीर मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग में भारत के पक्ष में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा, ईरान ने पाकिस्तान सीमा के पास भारत को कूटनीतिक मौजूदगी की अनुमति दी, जो ग्वादर पोर्ट और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के संतुलन के लिए महत्वपूर्ण है।सोनिया ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत-इज़राइल संबंध रक्षा, कृषि और तकनीकी क्षेत्र में बढ़े हैं। लेकिन भारत की विश्वसनीयता तभी कायम रहेगी, जब वह सिद्धांत आधारित और स्वतंत्र रुख अपनाए। उन्होंने चेताया कि खाड़ी देशों में लगभग एक करोड़ भारतीय नागरिक रहते हैं, और उनके सुरक्षा हितों की रक्षा तभी संभव है जब भारत निष्पक्ष और स्वतंत्र देश के रूप में विश्वसनीय बने।पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि स्वतंत्र और गुटनिरपेक्ष रुख भारत की विदेश नीति की नींव रहा है। मौजूदा स्थिति में भारत की चुप्पी यह संकेत देती है कि यह रुख कमजोर पड़ रहा है। यदि ईरान के मामले में संप्रभुता के उल्लंघन पर भारत स्पष्ट नहीं बोलता, तो छोटे देश भविष्य में भारत पर भरोसा नहीं करेंगे।सोनिया गांधी का यह आर्टिकल भारत की विदेश नीति में स्वतंत्रता, रणनीतिक स्वायत्तता और वैश्विक नैतिक जिम्मेदारी बनाए रखने की आवश्यकता पर बल देता है।

सिद्धारमैया का विपक्ष पर पलटवार, कहा—चोर को सब चोर ही नजर आते हैं



टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को विपक्ष पर करारा पलटवार करते हुए कहा कि उनके खिलाफ लगाए जा रहे आरोप और बयान "चोर को सब चोर ही नजर आते हैं" वाली कहावत के जैसे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह आरोप निराधार और राजनीति से प्रेरित हैं।सिद्धारमैया ने कहा कि जब से कांग्रेस राज्य में सत्ता में आई है, विपक्षी नेता लगातार मुख्यमंत्री और वरिष्ठ मंत्री डी. के. शिवकुमार के बीच दरार पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि विपक्ष चाहे जितनी भी कोशिश कर ले, इसका उनके और शिवकुमार के अच्छे और सुदृढ़ रिश्तों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि विपक्ष की यह रणनीति जनता का ध्यान मुख्य मुद्दों से हटाकर राजनीतिक विवाद में उलझाने की कोशिश है। उन्होंने विश्वास जताया कि कांग्रेस की टीम और संगठन मजबूत हैं और आंतरिक मतभेदों को बढ़ाने की कोशिशें विफल रहेंगी।राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि सिद्धारमैया का यह बयान सीधे तौर पर विपक्ष को चुनौती देने और पार्टी के भीतर एकजुटता बनाए रखने के प्रयास के रूप में देखा जा सकता है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि कांग्रेस नेतृत्व में किसी भी तरह की फूट या विवाद जनता के सामने नहीं आने दिया जाएगा।सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच संबंधों को लेकर लगातार उठ रहे सवालों के बीच मुख्यमंत्री ने अपने बयान में पूरी स्पष्टता के साथ कहा कि उनके और शिवकुमार के बीच सहयोग और विश्वास में कोई कमी नहीं है। उन्होंने विपक्षी आरोपों को राजनीति की चालाकी करार दिया।

भाजपा की पहली लिस्ट में नितिन नवीन

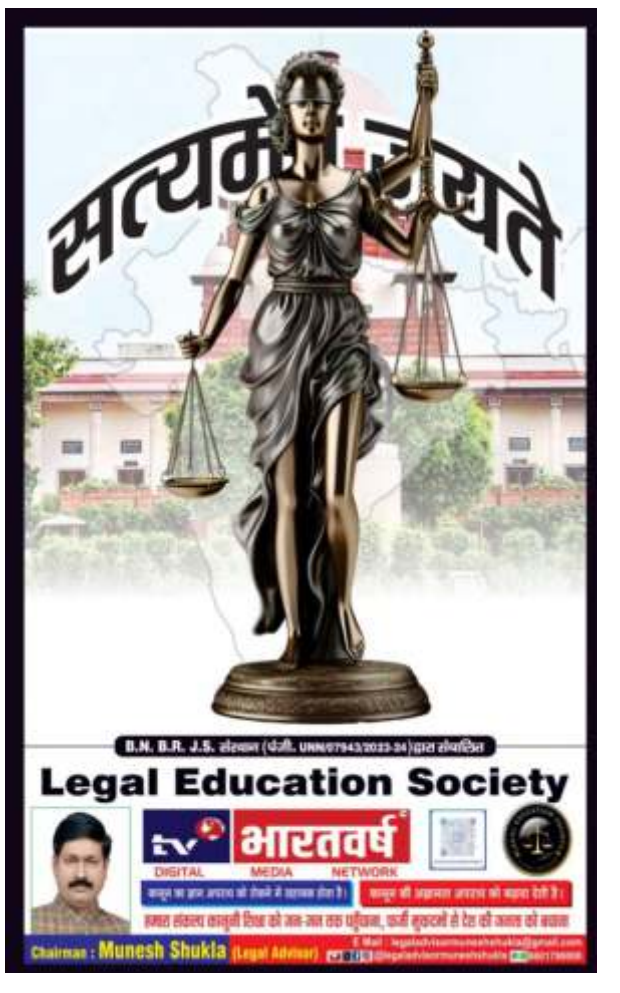
लक्ष्मी वर्मा सहित 9 उम्मीदवार 37 राज्यसभा सीटों पर चुनाव

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

भाजपा ने मंगलवार को राज्यसभा के लिए 9 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन बिहार से राज्यसभा जाएंगे। उनके अलावा लिस्ट में शिवेश कुमार का भी नाम है। छत्तीसगढ़ से भाजपा ने लक्ष्मी वर्मा को उम्मीदवार बनाया है। असम से तेराश गोवाला, जोगेन मोहन, हरियाणा से संजय भाटिया, ओडिशा मनमोहन सामल, सुजीत कुमार और पश्चिम बंगाल से राहुल सिन्हा उम्मीदवार हैं। 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों पर 16 मार्च को चुनाव कराया जाएगा। 16 मार्च को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे के बीच वोटिंग होगी और उसी दिन शाम 5 बजे वोटों की गिनती की जाएगी। ये सभी सीटें संबंधित सदस्यों के कार्यकाल पूरा होने के कारण रिक्त हो रही हैं। राज्यसभा का कार्यकाल छह साल का होता है। जिन सदस्यों का कार्यकाल अप्रैल 2026 में समाप्त हो रहा है, उनकी सीटों पर ये चुनाव कराए जा रहे हैं। निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल उनके शपथ ग्रहण की तिथि से आगामी छह वर्षों, यानी 2032 तक रहेगा। संबंधित राज्यों की जिन सीटों पर मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है, वहीं ये सीटें रिक्त मानी जाएंगी। चुनाव आयोग ने 18 फरवरी को 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों पर चुनाव की तारीखों का ऐलान किया था। 37 सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव होना है। जो सीटें खाली हो रही हैं, उनमें 12 एनडीए के पास हैं, 25 पर विपक्षका कब्जा है। सबसे ज्यादा महाराष्ट्र की 7, तमिलनाडु की 6 और पश्चिम बंगाल-बिहार की 5-5 सीटों पर चुनाव कराया जाना है। शरद पवार, रामदास अठावले, कणिमोझी, तिरुचि शिवा, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश का कार्यकाल 2 अप्रैल को समाप्त हो रहा है। 16 मार्च को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे के बीच वोटिंग होगी और उसी दिन शाम 5 बजे वोटों की गिनती की जाएगी। चुनाव आयोग ने कहा है कि वोट डालते समय केवल रिटर्निंग ऑफिसर की ओर से दिए गए तय मानक का वॉयलेट रंग का स्केच पेन ही इस्तेमाल होगा। किसी अन्य



पेन का उपयोग मान्य नहीं होगा। आयोग ने कहा है कि चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से कराने के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किए जाएंगे। चुनाव आयोग ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में EVM और VVPAT को लेकर जागरूकता अभियान भी शुरू किया है।



अमेरिका में डेंटिस्ट बनने का सपना

मोटी सैलरी और टॉप कॉलेजों का अवसर



अमेरिका में हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स को समाज में सबसे अधिक सम्मान और प्रतिष्ठा प्राप्त है। चाहे वह डॉक्टर हों, नर्स हों या डेंटिस्ट, सभी को ना केवल सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है, बल्कि इनके लिए आर्थिक अवसर भी अत्यंत आकर्षक हैं। खासकर डेंटिस्ट के पेशे में शुरुआती वर्षों से ही अच्छी कमाई और करियर की स्थिरता मिलती है। यही वजह है कि भारत समेत दुनियाभर के छात्रों के लिए अमेरिका में डेंटल एजुकेशन एक आकर्षक विकल्प बन गया है।इंडीड की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में एक डेंटिस्ट की औसत सालाना कमाई लगभग 2,38,252 अमेरिकी डॉलर (लगभग 2.19 करोड़ रुपये) है। इसे देखते हुए कहा जा सकता है कि एक वर्ष की कमाई ही किसी डेंटिस्ट को करोड़पति बना सकती है। हालांकि, इतनी ऊँची सैलरी हासिल करने के लिए छात्रों को पहले स्वयं के निवेश की भी तैयारी करनी पड़ती है। अमेरिकी डेंटल कॉलेजों की फीस काफी ऊँची होती है, जो आम तौर पर 70 लाख रुपये से लेकर 1.60 करोड़ रुपये तक हो सकती है।अमेरिका में डेंटिस्ट बनने के लिए भारतीय छात्रों के लिए सबसे आसान और लोकप्रिय रास्ता 'डॉक्टर ऑफ डेंटल मेडिसिन' (DMD) कोर्स है । DMD कोर्स में प्रवेश के लिए चार वर्षीय ग्रेजुएशन आवश्यक है, जो किसी भी विषय में किया जा सकता है। हालांकि, यदि छात्र ने ग्रेजुएशन में फिजिक्स, बायोलॉजी या केमिस्ट्री जैसे विज्ञान विषय चुने हैं, तो उन्हें 'डेंटल एडमिशन टेस्ट' (DAT) में फायदा होता है। DAT एक एंट्रेंस एग्ज़ाम है, जिसके स्कोर के आधार पर छात्र DMD प्रोग्राम में एडमिशन प्राप्त कर सकते हैं।DMD कोर्स पूर्ण होने के बाद छात्र डेंटिस्ट के रूप में प्रैक्टिस कर सकते हैं। अमेरिका के टॉप डेंटल कॉलेजों में पढ़ाई करने का लाभ यह है कि विद्यार्थी न केवल उन्नत तकनीकी और क्लिनिकल प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं, बल्कि यहां से प्राप्त डिग्री उनके करियर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता भी दिलाती है। अमेरिका के कुछ प्रमुख डेंटल कॉलेजों में उच्च फीस और विश्व स्तरीय सुविधाओं के बावजूद, उनकी रैंकिंग और पेशेवर अवसर छात्रों के लिए प्रेरक हैं। ये कॉलेज अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, अनुभवी फैकल्टी और व्यापक क्लिनिकल अनुभव प्रदान करते हैं, जो किसी भी नए डेंटिस्ट को पेशेवर दुनिया में आत्मविश्वास के साथ कदम रखने में सक्षम बनाते हैं। हालांकि, डेंटिस्ट बनने का यह रास्ता चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि इसमें उच्च निवेश और कठोर शैक्षिक मानक शामिल हैं। फिर भी, यदि कोई छात्र तैयारी के साथ अमेरिका आता है, तो वह न केवल सम्मान और प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकता है, बल्कि वित्तीय दृष्टि से भी सुरक्षित और संपन्न करियर बना सकता है। अंततः अमेरिका में डेंटल एजुकेशन और करियर की यह दिशा भारतीय छात्रों के लिए एक सुनहरा अवसर प्रस्तुत करती है। मोटी सैलरी, टॉप कॉलेजों से डिग्री और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता पाने का मौका इसे आकर्षक विकल्प बनाता है।

एएफसी एशियन कप 2026: ईरान का साहसिक विरोध



ऑस्ट्रेलिया में चल रहे एएफसी एशियन कप 2026 के दौरान महिलाओं के फुटबॉल मैदान पर दोनों राजनीतिक और प्रशासनिक मुद्दों की झलक देखने को मिली। सबसे बड़ा चर्चा का विषय बना ईरान की महिला फुटबॉल टीम का राष्ट्रगान विरोधाईरान और दक्षिण कोरिया के बीच हुए मुकाबले से पहले ईरानी खिलाड़ी मिडिल ईस्ट में जारी तनाव और युद्ध के बीच, मैदान पर राष्ट्रगान गाने से इनकार कर दिया। इस साहसिक कदम ने खेल प्रेमियों और अंतरराष्ट्रीय मीडिया का ध्यान तुरंत खींचा। हालांकि इस मैच में दक्षिण कोरिया ने ईरान को 3-0 से मात दी, लेकिन ईरानी महिला फुटबॉल टीम के इस विरोध ने खेल की दुनिया में एक राजनीतिक संदेश के रूप में गूंज पैदा कर दी।इसी टूर्नामेंट में भारतीय महिला फुटबॉल टीम, जिसे ब्लू टाइग्रेसेस के नाम से जाना जाता है, को अपने पहले मैच से पहले एक अलग प्रकार की चुनौती का सामना करना पड़ा। टीम को वियतनाम के खिलाफ मुकाबले से पहले AIFF द्वारा भेजी गई ट्रेनिंग जर्सी खिलाड़ियों के लिए बहुत छोटी मिली। यह जर्सी जूनियर कैटेगरी के हिसाब से तैयार की गई थीं, जबकि टीम के अधिकांश सदस्य सीनियर खिलाड़ी हैं।पहले ही किट वितरण में देरी हो चुकी थी, और अब गलत साइज मिलने के कारण भारतीय टीम को पर्थ में स्थानीय स्तर पर नई जर्सी खरीदने पर मजबूर होना पड़ सकता है। इस अव्यवस्था से टीम के वरिष्ठ सदस्य काफी नाराज हैं और उन्होंने संघ को पत्र लिखकर इस स्थिति को तुरंत सुधारने की मांग की है। इस टूर्नामेंट ने न केवल खेल के प्रदर्शन को बल्कि खिलाड़ियों और अधिकारियों के बीच संगठनात्मक चुनौतियों को भी उजागर किया है। ईरान की महिला टीम का विरोध और भारतीय टीम का किट संकट दोनों ही दर्शाते हैं कि एशियन कप केवल खेल का ही नहीं, बल्कि सामाजिक और प्रशासनिक पहलुओं का भी मंच बन गया है।



आईसीसी वनडे रैंकिंग में स्मृति मंधाना का जलवा

हासिल किया नंबर-1 स्थान

चंद्र ग्रहण के कारण भारतीय टीम ने अभ्यास समय में बदलाव किया

टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल से दो दिन पहले, भारतीय क्रिकेट टीम ने चंद्र ग्रहण के चलते अपने अभ्यास सत्र का समय बदल दिया। बीसीसीआई के अनुसार, पहले टीम का अभ्यास मंगलवार शाम 6 बजे से 9 बजे तक होना था, लेकिन चंद्र ग्रहण दोपहर 3:20 बजे से शुरू होने के कारण प्रबंधन ने शाम 6:40 बजे तक किसी भी गतिविधि से बचने का निर्णय लिया।भारत में चंद्रमा शाम 6:26 बजे से दिखाई देने की उम्मीद है और अधिकतम दृश्यता शाम 6:33 बजे से 6:40 बजे तक रहेगी। इंडियन एक्सप्रेस के सूत्रों के अनुसार, टीम ने हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार अभ्यास करना अशुभ माना। इस दौरान किसी भी शुभ कार्य से बचना आवश्यक माना गया।एक सूत्र ने बताया कि चंद्र ग्रहण के समय किसी भी शुभ गतिविधि से परहेज़ करना चाहिए। चूंकि भारत इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल खेल रहा है, टीम सकारात्मक शुरुआत करना चाहती थी। इस कारण अभ्यास को लगभग एक घंटे के लिए स्थगित कर दिया गया। अब टीम का अभ्यास शाम 6:45 बजे से 7 बजे के बीच शुरू होगा और रात 9 बजे तक चलेगा। यह वानखेड़े स्टेडियम में होने वाले नॉकआउट मुकाबले से दो दिन पहले की तैयारी का हिस्सा है।इस साल टी20 विश्व कप के दौरान भारतीय टीम कई धार्मिक अनुष्ठानों का पालन कर रही है। खिलाड़ियों को मैच से पहले मंदिरों में प्रार्थना करते हुए देखा गया है। इससे पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच से पहले भी कई खिलाड़ी शहर के प्रमुख मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थलों पर गए थे।टीम का यह कदम न केवल आध्यात्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह खिलाड़ियों के मनोबल और सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने की रणनीति भी है। अभ्यास का समय बदलना और धार्मिक अनुष्ठानों का पालन टीम की मानसिक तैयारी को मजबूत करने का हिस्सा माना जा रहा है।



पीवी सिंधु दुबई से सुरक्षित घर लौटने के बाद साझा किया अनुभव

भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु दुबई में बिताए अपने कुछ दिनों को "अत्यंत तनावपूर्ण और अनिश्चित" बताते हुए बेंगलुरु स्थित अपने घर लौट आई हैं। उनका यह अनुभव अखिल इंग्लैंड चैंपियनशिप के लिए उनकी यात्रा में बाधा बन गया और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच उन्हें फंसा दिया।सिंधु दुबई होते हुए बर्मिंघम जा रही थीं, लेकिन क्षेत्रीय संघर्ष के कारण उड़ान बाधाओं में फंस गईं। मंगलवार को उन्होंने X (पूर्व में ट्विटर) पर अपनी सुरक्षित वापसी की जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि वे बेंगलुरु में अपने घर लौट आई हैं और सुरक्षित हैं। इसके साथ ही उन्होंने "बेहद कठिन समय" में मदद करने वाली ग्राउंड टीम, दुबई अधिकारियों, हवाईअड्डे के कर्मचारियों, आव्रजन और हर व्यक्ति का धन्यवाद किया।सिंधु और उनके कोच इरवानस्याह उस समय यात्रा कर रहे थे जब खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति बिगड़ गई, जिससे उड़ान संचालन बाधित हुआ और उनकी योजनाएँ प्रभावित हुईं। सिंधु ने दुबई के पास हुए विस्फोट का भी जिक्र किया और बताया कि उनके

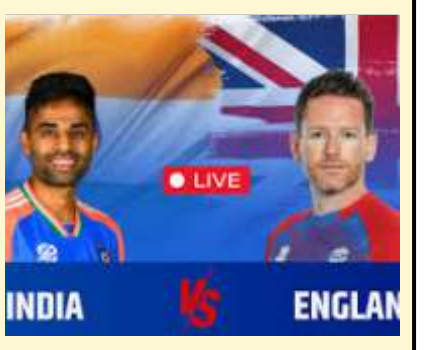


कोच धुएं और मलबे के बेहद करीब थे, जिससे उन्हें तुरंत सुरक्षित स्थान पर जाना पड़ा।इस अनिश्चितता और होटल में सीमित रहने के कारण पीवी सिंधु को इस वर्ष के ऑल इंग्लैंड टूर्नामेंट में भाग लेने का अवसर छोड़ना पड़ा। उन्होंने इस प्रतियोगिता के लिए कड़ी मेहनत की थी और वे इस असुविधा से निराश थीं। सिंधु की वापसी ने कई दिनों की अनिश्चितता के बाद राहत दी, लेकिन यह घटना यह भी रेखांकित करती है कि भू-राजनीतिक अस्थिरता उच्च स्तरीय खेलों और खिलाड़ियों की सुरक्षा पर किस तरह प्रभाव डाल सकती है।

ICC सेमीफाइनल में भारत-इंग्लैंड का मुकाबला

इतिहास रहा बराबरी और खिताब से जुड़ा कनेक्शन

ICC टूर्नामेंट में भारत और इंग्लैंड मंगलवार को पांचवीं बार सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे। अब तक दोनों टीमों के बीच खेले गए चार सेमीफाइनल मुकाबलों में बराबरी रही है, दोनों टीमों ने दो-दो जीत दर्ज की है। खास बात यह है कि भारत ने जब भी इंग्लैंड को सेमीफाइनल में हराया, उसी टूर्नामेंट का खिताब जीतने में भी कामयाबी हासिल की।भारत और इंग्लैंड का पहला सेमीफाइनल 1983 वनडे वर्ल्ड कप में हुआ था। तब भारत ने मेजबान इंग्लैंड को 6 विकेट से हराया और फाइनल में वेस्टइंडीज को हराकर पहली बार वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया। इसके बाद 1987 वनडे वर्ल्ड कप और 2022 टी-20 वर्ल्ड कप में दोनों टीमें सेमीफाइनल में भिड़ीं, जिनमें इंग्लैंड ने जीत दर्ज की। आखिरी बार दोनों टीमों ने 2024 टी-20 वर्ल्ड कप में सेमीफाइनल में मुकाबला किया, जिसमें भारत विजयी रही और फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर खिताब जीता। 1983 के सेमीफाइनल में मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में भारत ने इंग्लैंड को मात दी। टॉस हारने के बावजूद कप्तान कपिल देव ने धीमी पिच को भांपकर रणनीति बनाई। इंग्लैंड की पूरी टीम 60 ओवर में केवल 213 रन पर सिमट गई। कपिल देव ने 3 और मोहिंदर अमरनाथ ने 12 ओवर में सिर्फ 27 रन देकर 2 विकेट लिए।214 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत कमजोर रही और 50 रन पर दो विकेट गिर चुके थे। इसके बाद अमरनाथ (46) और यशपाल शर्मा (61) ने 92 रन की



महत्वपूर्ण साझेदारी कर पारी को संभाला । इतिहास के इसी कारण, भारत-इंग्लैंड के सेमीफाइनल मैच में भारतीय दर्शकों की उम्मीदें हमेशा ऊँची रही हैं।इस बार भी दोनों टीमों का रिकॉर्ड 2-2 की बराबरी पर है, और खिताब का कनेक्शन भारतीय टीम के लिए बड़े उत्साह का कारण है।

वर्क-लाइफ बैलेंस के आगे फीकी पड़ रही लीडरशिप की चमक

मिलेनियल्स का तनाव और Gen-Z का वैराग्य

भारतीय कॉरपोरेट में पीढ़ियों का तालमेल संकट में है. जहां बूमर्स कमान थामे हैं, वहीं तनावग्रस्त मिलेनियल्स और वर्क-लाइफ बैलेंस को प्राथमिकता देने वाली जेन-जी नेतृत्व से कतरा रहे हैं, जिससे भविष्य की उत्तराधिकार योजनाओं पर सवाल खड़े हो गए हैं.



मिलेनियल्स वर्तमान समय में सबसे कठिन दौर से गुजर रहे हैं. (सांकेतिक तस्वीर:Pexel)

मुंबई के एक बोर्डरूम में 64 साल के चेयरमैन उत्तराधिकार योजना को ध्यान से देख रहे हैं. उसी कॉरिडोर में 37 साल के मिलेनियल बिजनेस हेड एट्रिशन, एआई इंटीग्रेशन और तिमाही लक्ष्यों के दबाव से जूझ रहे हैं.

वहीं, 23 साल की जेन Z कर्मचारी अपनी स्किल्स डैशबोर्ड को रीफ्रेश करते हुए मन ही मन सोच रही है-क्या वह यहां लंबे समय तक टिकेगी भी? कागज पर भारतीय कॉरपोरेट ढाचा स्थिर दिखता है. बूमर्स नेतृत्व की कमान थामे हुए हैं, मिलेनियल्स मैनेजमेंट की रीढ़ बने हुए हैं और जेन Z तेजी से एंट्री-लेवल पर जगह बना रही है. लेकिन इस व्यवस्थित दिखने वाले स्ट्रक्चर के भीतर एक बड़ा सवाल छिपा है.क्या अगली पीढ़ी वास्तव में वही सिस्टम संभालना चाहती है, जिसे वह विरासत में पा रही है? लिबरलाइजेशन के दौर में कंपनियां खड़ी करने वाले बूमर्स आज भी बोर्डरूम में अपना गहरा अनुभव लेकर मौजूद हैं. ⊙



ऑफिस के अंदर जूते पहनकर आना है मना

कैलिफोर्निया में एक बड़ी स्टार्टअप कंपनी है जिसके सह-संस्थापक भारतीय मूल के हैं, वह अपनी अनोखी ऑफिस पॉलिसी को लेकर चर्चा में हैं. कंपनी ने वर्क प्लेस पर जूते पहनने पर रोक लगा रखी है. इस अनोखे नियम ने न सिर्फ कर्मचारियों का ध्यान खींचा है बल्कि कॉर्पोरेट वर्ल्ड में भी नई बहस छेड़ दी है. सोशल मीडिया पर एक फोटो तेजी से वायरल हो रही है. ⊙

कैसे तय होता है आपके बच्चों का सिलेबस?

नई दिल्ली, आजतक



नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग यानी एनसीईआरटी आठवीं की किताब में किए गए बदलाव को लेकर चर्चा में है. दरअसल, एनसीईआरटी ने आठवीं कक्षा की किताब में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार को लेकर कंटेंट शामिल किया था, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया है. चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने एनसीईआरटी के इस कदम की कड़ी आलोचना की है और कहा है कि यह न्यायपालिका पर पहली गोली चलाने जैसा है. इसके साथ ही कोर्ट ने एनसीईआरटी को यह निर्देश दिया है कि केन्द्र और राज्य सरकारों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करें कि किताब की सभी कॉपी, हार्ड कॉपी या सॉफ्ट कॉपी, चाहे वे रिटेल दुकानों या स्कूलों में रखी हों, पब्लिक एक्सेस से हटा दी जाएं. वहीं, केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सरकार और एनसीईआरटी की ओर से आश्वासन दिया कि जिस अध्याय को तैयार करने वाले दो व्यक्तियों को भविष्य में किसी भी मंत्रालय से जोड़ा नहीं जाएगा. ⊙

एपस्टीन फाइल्स में चौंकाने वाले खुलासे

स्टीफन हॉकिंग की नई तस्वीरें वायरल

एपस्टीन फाइल्स में जारी एक तस्वीर की वजह से स्टीफन हॉकिंग का नाम चर्चा में आ गया है. फोटो के चर्चा में आने की वजह ये है कि इसमें स्टीफन हॉकिंग दो बिकनी गर्ल्स के साथ कॉकटेल पीते नजर आ रहे हैं. फोटो में दिख रहा है कि हॉकिंग एक आरामदायक कुर्सी पर लेटे हुए हैं और उनके हाथ में लाल रंग की एक ड्रिंक है. इसके साथ ही उनके साथ दो महिलाएं हैं और हॉकिंग के दोनों साइड खड़ी ये महिलाएं बिकनी में नजर आ रही है, जिस वजह से फोटो की चर्चा हो रही है.

अब सोशल मीडिया पर तस्वीर काफी शेयर की जा रही है और वायरल फोटो पर यूजर्स के अलग-अलग कमेंट्स आ रहे हैं. डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, एपस्टीन फाइल्स में हॉकिंग का जिक्र 250 से ज्यादा बार किया गया है. लेकिन, इस फोटो से एपस्टीन और हॉकिंग का सीधा कनेक्शन है या नहीं, ये अभी स्पष्ट नहीं है.



स्टीफन हॉकिंग की ये फोटो इन दिनों चर्चा में है. (Photo: X/manuelansede)

अगर इस फोटो की बात करें तो ये स्पष्ट नहीं है कि यह कब और कहां की है. वैसे साल 2018 में भी यह तस्वीर काफी शेयर हुई थी, लेकिन एपस्टीन फाइल्स की वजह से इसकी चर्चा हो रही है. कहा जाता है कि हॉकिंग को लिटिल सेंट जेम्स में देखा गया था, जिसे एपस्टीन के "Paedo Island" के रूप में जाना जाता है. अब इस फोटो को लेकर भी कहा जा रहा है कि ये वहां की हो सकती है. ⊙

दुबई में फंसीं ईशा गुप्ता और सोनल चौहान सुरक्षित भारत लौटीं

मध्य पूर्व में अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच दुबई पर ईरान के हमले ने इलाके की सुरक्षा स्थिति को गंभीर रूप से प्रभावित किया। हजारों भारतीय नागरिक वहां फंसे हुए थे, जिनमें बॉलीवुड की दो मशहूर अभिनेत्रियां ईशा गुप्ता और सोनल चौहान भी शामिल थीं।हालांकि, अब ईशा और सोनल सुरक्षित रूप से भारत लौट आई हैं। अपने देश वापसी के बाद ईशा गुप्ता ने सोशल मीडिया पर दुबई में अनुभव किए गए भयावह हालात का खुलासा किया। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में बताया कि दुबई की स्थिति अत्यंत डराने वाली और कठिन थी।ईशा के अनुसार, 28 फरवरी को जब वह एयरपोर्ट पर थीं, अचानक अफरा-तफरी मच गई और एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया। मिसाइल हमलों की खबरें फैलने लगीं और वातावरण में तनाव का माहौल बन गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान वह काफी घबरा गई थीं। एयरपोर्ट के ग्राउंड और सिक्योरिटी स्टाफ ने लोगों को शांत करने की कोशिश की और कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है।ईशा ने बताया कि चेक-इन न होने के कारण उन्हें एयरपोर्ट से होटल लौटना पड़ा। होटल में कमरे अजनबी लोगों से भरे हुए थे और लॉबी पूरी तरह से भीड़ से भरी थी। सायरन बज रहे थे और सभी लोग सहमे हुए थे। घंटों फंसे रहने के बाद बसों की व्यवस्था की गई और लोगों को उनके-उनके होटल पहुंचाया गया।उन्होंने आगे बताया कि दुबई में हर समय उनके फोन पर यूएई के MOI की तरफ से नोटिफिकेशन और अलार्म्स आते रहे। जब फ्लाइट अंततः चालू हुई, तो वह खुद को भाग्यशाली मानती हैं कि सुरक्षित दिल्ली पहुंच सकीं। ईशा ने एयरपोर्ट और होटल स्टाफ की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने स्थिति को बहुत ही समझदारी और पेशेवर तरीके से संभाला।सोनल चौहान ने भी भारत लौटकर अपने अनुभव साझा किया और कहा कि दुबई में स्थिति बेहद तनावपूर्ण और भयावह थी, लेकिन एयरपोर्ट और होटल स्टाफ की मदद से उन्हें सुरक्षित निकाला गया।इस घटना ने दुबई में फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। विदेश मंत्रालय और भारतीय दूतावास ने इस दौरान लगातार नागरिकों से संपर्क बनाए रखा और उन्हें सुरक्षित निकाले जाने का भरोसा दिया। बॉलीवुड और सोशल मीडिया पर दोनों अभिनेत्रियों की सुरक्षा की खबर ने भी जनता का ध्यान इस संकट की ओर खींचा।ईशा और सोनल की सुरक्षित वापसी ने उन हजारों भारतीयों को राहत दी जो दुबई में फंसे हुए थे, और इस संकट के बीच भारत सरकार और स्थानीय प्रशासन की सक्रियता को उजागर किया।





लखनऊ में 24 कैरेट सोने की 2 किलो की मिसाइल गुझिया

कीमत 60 हजार रूपये गुझिया बनी होली का नया आकर्षण

लखनऊ: इस बार होली के उत्सव में लखनऊ की बाजारों में पेश की गई एक अनोखी और भव्य गुझिया ने लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया है। पारंपरिक मिठाई गुझिया को एक नई पहचान देते हुए पेश की गई यह शानदार मिठाई 24 कैरेट सोने की परत और आठ देशों के विशेष ड्राई-फ्रूट्स से तैयार की गई है। इसका वजन लगभग 2 किलो है और बाजार में इसकी कीमत करीब 60,000 रूपये रखी गई है, जिसने मिठास के त्योहार में लक्ज़री का एक नया ट्रेंड स्थापित कर दिया है।स्थानीय बेकर्स और पेशेवर शौकिया मिठाई निर्माताओं की रचनात्मकता का यह उत्कृष्ट उदाहरण सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो फुटेज में यह भव्य गुझिया सुनहरी और गुलाबी रंगों में सजाई गई दिखाई दे रही है, जिस पर सोने की परत बिल्कुल चमकदार रूप में लिपटी हुई है। इसके साथ ही ड्राई-फ्रूट्स की भरमार इसे देखने में अत्यंत आकर्षक बनाती है।बेकर्स का कहना है कि इस गुझिया का उद्देश्य केवल दिखावा नहीं, बल्कि स्वाद और गुणवत्ता दोनों का संतुलन प्रस्तुत करना है। उन्होंने बताया कि इसमें उपयोग किए गए ड्राई-फ्रूट्स को दुनिया भर के आठ





अलग-अलग देशों से आयात किया गया है, जिससे इसे एक अंतरराष्ट्रीय स्वाद और विशेष पौष्टिकता मिली है। यह गुझिया पारंपरिक रेसिपी के अनुरूप तैयार की गई है, लेकिन इसमें आधुनिक फ्लेवर के तत्व डालकर एक नई शैली विकसित की गई है। स्थानीय मिठाई दुकानदार और ग्राहक दोनों इस विशेष गुझिया को लेकर उत्साहित हैं। कई लोगों ने सोशल मीडिया पर फोटो और वीडियो पोस्ट कर इस अनोखी मिठाई की तारीफ की है। युवा वर्ग से लेकर बुजुर्गों तक सभी इस भव्य गुझिया को देखने और खरीदने के प्रति उत्सुकता व्यक्त कर रहे हैं। कई परिवारों ने होली के उपहार के रूप में भी इसे लेने की योजना बनाई है। विशेषगौरतलब है कि गुढ़िया भारतीय मिठाई जगत की एक पारंपरिक वस्तु है, जिसे खासकर होली के मौके पर बनाया और बांटा जाता है। परंपरा और आधुनिकता के इस सुंदर मिश्रण ने लखनऊ में इस बार के होली उत्सव को और भी खास बना दिया है।

ईरान-इजराइल युद्ध पर बृजभूषण शरण सिंह ने जताई चिंता

यूपी के गोंडा में मंगलवार को अपने पैतृक आवास विश्नोहरपुर में पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने थारू जनजाति के होली उत्सव में शिरकत की। कार्यक्रम में बलरामपुर और श्रावस्ती से आए थारू समाज के लोगों ने पारंपरिक लोकगीतों और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। रंग-गुलाल और ढोल की थाप पर पूर्व सांसद समुदाय के लोगों के साथ झूमते नजर आए। मीडिया से बातचीत में पूर्व सांसद ने ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव पर गहरी चिंता व्यक्त की। कहा कि पहली बार इतने देश प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से संघर्ष की स्थिति में दिखाई दे रहे हैं। इससे वैश्विक अस्थिरता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि युद्ध किसी भी स्थिति में किसी के लिए अच्छा नहीं होता है। बातचीत का रास्ता ही सबको अपनाना पड़ेगा। अब तक कितना बड़ा विनाश हो चुका है। आगे कितना नुकसान होगा, यह चिंता का विषय है। पूर्व सांसद ने कहा कि दुनिया के कई सुरक्षित माने जाने वाले देशों में भी खलबली मची हुई है। खाड़ी देशों में बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक काम कर रहे हैं। ऐसे में वहां की स्थिति का असर भारत के लोगों और उनके परिवारों पर भी पड़ रहा है।

मौलाना ने लिया अनोखा कदम

लखनऊ में ईद की नमाज काली पट्टी के साथ

लखनऊ में इस बार ईद की नमाज को लेकर विवादास्पद और ध्यान खींचने वाली पहल सामने आई है। स्थानीय मौलाना ने घोषणा की है कि इस बार नमाज काली पट्टी बांधकर पढ़ी जाएगी। उनका कहना है कि यह कदम उन लोगों के विरोध में उठाया गया है, जो ईरानी नेता अली खामेनेई को श्रद्धांजलि नहीं देंगे। मौलाना ने यह भी स्पष्ट किया कि जो लोग श्रद्धांजलि नहीं देंगे, उनके लिए इफ्तार पार्टी का बायकॉट किया जाएगा।मौलाना के अनुसार, यह निर्णय समुदाय के भीतर एक संदेश देने और अपनी राय व्यक्त करने के लिए लिया गया है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे नमाज के दौरान काली पट्टी बांधकर एकजुटता दिखाएं और इस कदम का समर्थन करें। उनका कहना है कि इस तरीके से समुदाय अपनी भावना और विरोध स्पष्ट करना चाहता है। यह पहल धार्मिक आयोजनों के माध्यम से राजनीतिक और सामाजिक संदेश देने का उदाहरण है।इस घोषणा के बाद सोशल मीडिया और स्थानीय समुदाय में इस पर गहरी चर्चा शुरू हो गई है। कई लोग इसे विवादास्पद और संवेदनशील मान रहे हैं, जबकि कुछ इसे मौलाना और समुदाय के लिए अपनी राय व्यक्त करने का तरीका बता रहे हैं। शहर के विभिन्न



हिस्सों में लोगों की प्रतिक्रियाएं मिश्रित हैं। कुछ लोग इसे धार्मिक भावना और एकजुटता का प्रतीक मान रहे हैं, तो कुछ इसे राजनीति से जुड़े दबाव का हिस्सा कह रहे हैं।प्रशासन ने फिलहाल इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन लोगों से संयम और शांति बनाए रखने की अपील की गई है। स्थानीय पुलिस ने बताया है कि उन्होंने नमाज स्थलों पर अतिरिक्त निगरानी और सुरक्षा इंतजाम किए हैं, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।मौलाना ने इफ्तार पार्टी के बायकॉट को एक सशक्त संदेश के रूप में बताया। उनका कहना है कि श्रद्धांजलि न देना समुदाय में अस्वीकार्य माना गया है। इसलिए जो लोग इसका पालन नहीं करेंगे, उन्हें इफ्तार पार्टी में शामिल नहीं किया जाएगा। इस पहल को लेकर शहर में चर्चाएं तेज हैं और यह धार्मिक और राजनीतिक भावना के मिश्रण का प्रतीक बन गया है। लोगों के बीच मतभेद और बहसें बढ़ती जा रही हैं, जिससे सामाजिक चर्चा का माहौल गहरा और विवादास्पद बन गया है।

लखनऊ में होली पर ड्रंक एंड ड्राइव पर कड़ी कार्रवाई, वाहन जब्त



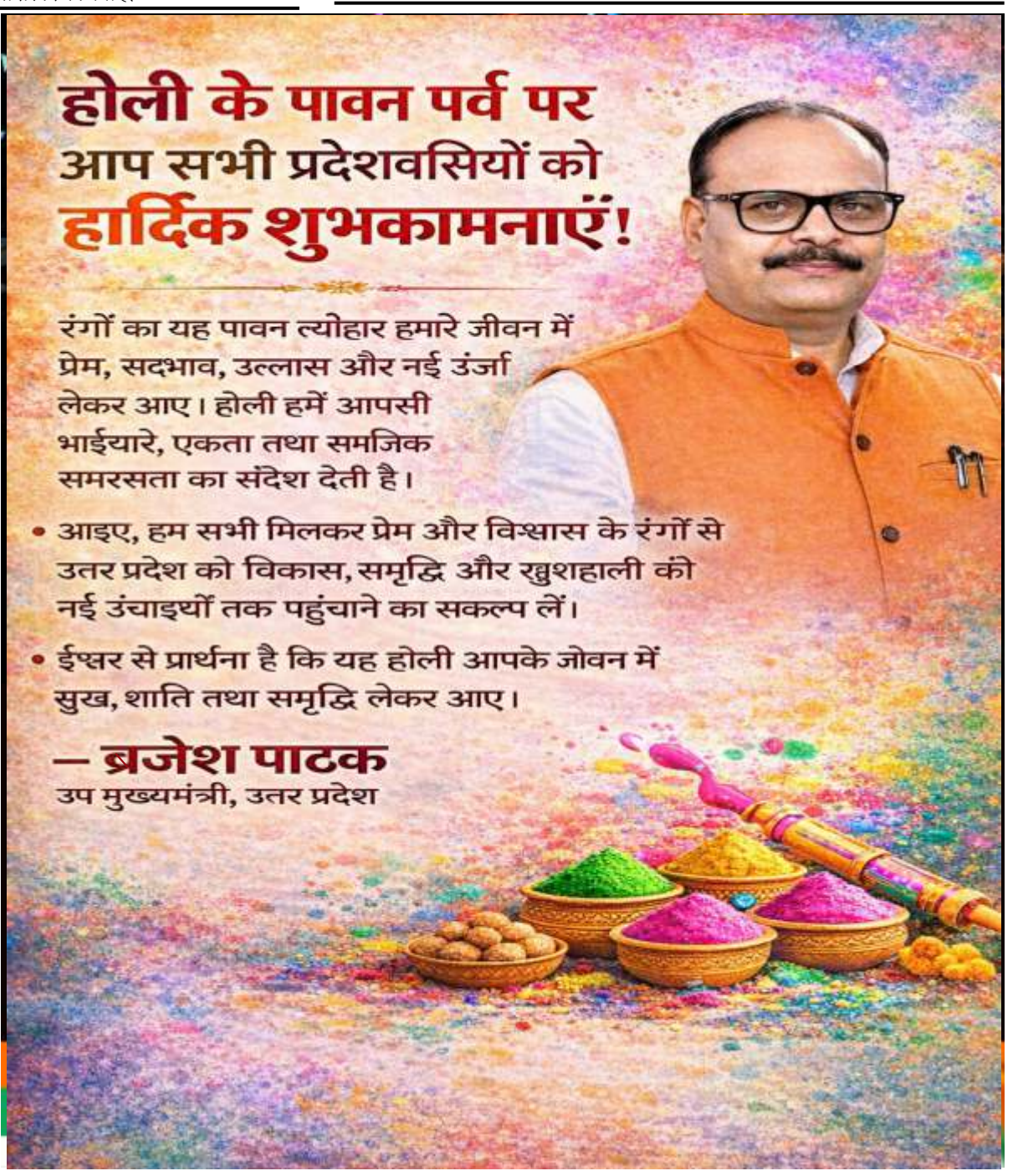
लखनऊ पुलिस ने इस होली पर सड़क पर हुड़दंग और शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने का ऐलान किया है। डीसीपी ट्रैफिक कमलेश दीक्षित ने निर्देश दिए हैं कि ड्रंक एंड ड्राइव में पकड़े जाने पर वाहन को तुरंत जब्त कर लिया जाएगा। डीसीपी ने बताया कि शहर के प्रमुख चौराहों और तिराहों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। होली से एक दिन पहले से ही शराब की दुकानों के आसपास निगरानी बढ़ा दी जाएगी। त्योहार वाले दिन बाइक और कार सवारों को लगातार रोककर जांच की जाएगी। पुलिस ने यह भी कहा कि ओवरस्पीड, मोबाइल पर बात करते हुए वाहन चलाना, गलत दिशा से आने वाले वाहन चालकों पर विशेष नजर रखी जाएगी। इसके लिए अतिरिक्त फोर्स तैनात किया गया है। पुलिस कमिश्नर ने सभी थानों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। डीसीपी ट्रैफिक ने नागरिकों से अपील की है कि केवल जरूरी होने पर ही वाहन लेकर निकलें और शराब पीकर ड्राइविंग बिल्कुल न करें। पिछले साल होली के दौरान लखनऊ में 400 से अधिक सड़क हादसे हुए थे, जिनमें 90% बाइक सवार शामिल थे। इस दौरान सात लोगों की मौत हुई और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए। होली के दौरान सड़क हादसे की सूचना ट्रैफिक कंट्रोल रूम नंबर 9454405155 पर दी जा सकती है। इसके अलावा पुलिस ने लोगों से अपील की है कि एंबुलेंस, फायर सर्विस और शव वाहन को रास्ता देने में सहयोग करें।

लखनऊ में होली पर सड़क सुरक्षा को लेकर सख्त कदम

शराब पीकर ड्राइविंग पर वाहन जब्त होने का अलर्ट

लखनऊ: इस बार होली के त्योहार पर लखनऊ में सड़क सुरक्षा को लेकर कड़ी निगरानी की जाएगी। पुलिस ने चेतावनी दी है कि शराब पीकर वाहन चलाने वाले लोग गंभीर कार्रवाई का सामना करेंगे। डीसीपी ट्रैफिक कमलेश दीक्षित ने निर्देश दिए हैं कि शहर के प्रमुख चौराहों और तिराहों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। यदि कोई ड्रंक एंड ड्राइव करते हुए पकड़ा जाता है, तो उसका वाहन सीधे जब्त कर लिया जाएगा। डीसीपी ट्रैफिक ने बताया कि होली से एक दिन पहले से ही शराब की दुकानों के आसपास निगरानी बढ़ा दी जाएगी। त्योहार वाले दिन बाइक और कार सवारों को लगातार रोककर जांच की जाएगी। ओवरस्पीडिंग, मोबाइल पर बात करते हुए वाहन चलाना और गलत दिशा से आने वालों पर विशेष नजर रखी जाएगी। इसके लिए अतिरिक्त फोर्स तैनात की गई है ताकि सड़क पर किसी भी तरह की लापरवाही को रोका जा सके। पुलिस कमिश्नर ने भी सभी थानों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। डीसीपी ट्रैफिक ने नागरिकों से अपील की है कि केवल जरूरी होने पर ही वाहन लेकर निकलें और शराब पीकर ड्राइविंग बिल्कुल न करें। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसा न करने से न सिर्फ आप, बल्कि सड़क पर मौजूद अन्य लोगों की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। पिछले वर्ष होली के अवसर पर लखनऊ में सड़क हादसों का आंकड़ा चिंताजनक रहा था। 400 से अधिक सड़क दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें 90 प्रतिशत से अधिक बाइक सवार थे। इन हादसों में सात लोगों की मौत हुई और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए। इस वर्ष पुलिस का लक्ष्य इन दुर्घटनाओं की संख्या को न्यूनतम करना है।सड़क हादसों और आपात स्थितियों के लिए ट्रैफिक कंट्रोल रूम नंबर 9454405155 सक्रिय रहेगा। इसके अलावा पुलिस ने एंबुलेंस, फायर सर्विस और शव वाहन को रास्ता देने की अपील की है, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत मदद मिल सके। डीसीपी ने यह भी स्पष्ट किया कि होली के दौरान उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का मानना है कि केवल सख्ती से ही सड़क पर अनुशासन स्थापित किया जा सकता है। नागरिकों से अनुरोध है कि वे सुरक्षा नियमों का पालन करें और अपने साथ-साथ दूसरों की जान की सुरक्षा भी सुनिश्चित करें। सड़क सुरक्षा और शराब मुक्त ड्राइविंग के इस अभियान के माध्यम से लखनऊ पुलिस का उद्देश्य होली के त्योहार को सुरक्षित और दुर्घटना रहित बनाना है।





उन्नाव पुलिस ने होली के मद्देनजर बढ़ाई सुरक्षा

SSP ने कस्बा इलाकों में पैदल गश्त की



उन्नाव: आगामी होली पर्व को शांति और सुव्यवस्था के साथ संपन्न कराने के लिए उन्नाव पुलिस प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। इसी कड़ी में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) जय प्रकाश सिंह ने अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) के साथ मिलकर पुरवा कोतवाली क्षेत्र के कस्बा इलाके में पैदल गश्त की और सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान बाजार, प्रमुख चौराहों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों का जायजा लिया गया। गश्त के दौरान SSP जय प्रकाश सिंह ने स्थानीय व्यापारियों, आम नागरिकों और युवाओं से सीधे बातचीत की। उन्होंने सभी से अपील की कि होली का त्योहार भाईचारे और आपसी सौहार्द के साथ मनाया जाए। उन्होंने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि त्योहार का बहाना बनाकर किसी भी प्रकार का हुड़दंग, अराजकता या कानून व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शांति भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। SSP ने बताया कि होली के मद्देनजर जिले में विशेष सुरक्षा योजना लागू की गई है। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और लगातार गश्त की जा रही है। पुरवा क्षेत्र में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए क्लस्टर मोबाइल टीमों का गठन किया गया है, जो किसी भी सूचना पर तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करेंगी।गश्त के दौरान क्षेत्राधिकारी (सीओ) तेज बहादुर सिंह और कोतवाली प्रभारी अमर नाथ यादव सहित भारी पुलिस बल मौजूद रहा। पुलिस टीम ने कस्बे की प्रमुख गलियों और बाजारों में पैदल भ्रमण किया और नागरिकों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया। साथ ही लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को देने की अपील की गई।उन्नाव पुलिस प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि होली के दौरान किसी भी तरह की अशांति, झगड़ा या अनुचित व्यवहार के मामलों को त्वरित रूप से रोका जाएगा। SSP जय प्रकाश सिंह ने दोहराया कि आमजन की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और उनका उद्देश्य त्योहार को पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना है। उन्नाव पुलिस ने नागरिकों से विशेष अपील की है कि वे किसी भी असामान्य या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। इसके अलावा, यदि कहीं भी दुर्घटना, झगड़ा या कानून व्यवस्था बिगड़ने की स्थिति उत्पन्न होती है, तो पुलिस की क्लस्टर मोबाइल टीम तुरंत कार्रवाई करेगी। इस योजना के तहत सुरक्षा बल पूरे जिले में चौकसी बनाए रखेंगे और त्योहार के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए तत्पर रहेंगे। SSP जय प्रकाश सिंह ने अंत में कहा कि पुलिस का मकसद सिर्फ कानून लागू करना नहीं है, बल्कि नागरिकों में सुरक्षा और विश्वास की भावना बनाए रखना भी है। उनके नेतृत्व में होली के दिन उन्नाव में हर क्षेत्र को सुरक्षित और व्यवस्थित रखने के लिए व्यापक व्यवस्था की गई है।

अचलगंज के बंथर गांव में मंदिर भूमि पर कथित कब्जे को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन



उन्नाव: अचलगंज थाना क्षेत्र के बंथर गांव स्थित प्राचीन क्षत्तेश्वर बाबा धाम मंदिर की जमीन पर कथित अवैध कब्जे को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। नाराज ग्रामीणों ने भू-माफियाओं के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए प्रशासन से मंदिर की भूमि को कब्जामुक्त कराने और तत्काल सख्त कार्रवाई की मांग की।ग्रामीणों का आरोप है कि लगभग 100 वर्ष पुराने क्षत्तेश्वर बाबा धाम मंदिर की भूमि पर रहीस अहमद नामक व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर प्लाटिंग कराई जा रही है। इस मुद्दे को लेकर क्षेत्रवासियों में लंबे समय से नाराजगी बनी हुई है। उनका कहना है कि यह मामला केवल जमीन का नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था और गांव की विरासत से जुड़ा है।बड़ी संख्या में ग्रामीण मंदिर परिसर के पास एकत्र हुए और नारेबाजी करते हुए स्पष्ट किया कि धार्मिक स्थल की जमीन पर किसी भी कीमत पर कब्जा नहीं होने दिया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि वे इस संबंध में स्थानीय प्रशासन, राजस्व विभाग और पुलिस अधीक्षक को कई बार शिकायत दे चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।ग्रामीणों ने मांग की कि मंदिर की भूमि का तत्काल सीमांकन कराया जाए और अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। कुछ ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने जल्द कार्रवाई नहीं की, तो वे न्याय की मांग को लेकर मुख्यमंत्री आवास तक जाने को बाध्य होंगे। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी और जांच के आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भगवंतनगर में पूर्णिमा पर प्रथम मासिक गंगा आरती का आयोजन

सामाजिक एकता का दिखा संदेश



उन्नाव: भगवंतनगर क्षेत्र में पूर्णिमा तिथि के अवसर पर प्रथम मासिक गंगा आरती का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भगवंतनगर विधानसभा परिवार द्वारा अनुराग त्रिवेदी के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। गंगा तट पर आयोजित इस कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से आरती में भाग लिया और “हर हर गंगे” के उद्घोष के साथ वातावरण को भक्तिमय बना दिया। गंगा की अविरलता और निर्मलता किसानों की समृद्धि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रामाशीष (अखिल भारतीय संगठन मंत्री, गंगा समग्र), डॉ. हरमेश सिंह (क्षेत्रीय विशेष संपर्क प्रमुख), विक्रांत खंडेवाल (क्षेत्रीय संगठन मंत्री, भारतीय विकास परिषद), पंडित छन्नू लाल त्रिवेदी, रामसुमेर रावत, रामबली रावत, संकटा प्रसाद दीक्षित, मुन्ना सिंह, पप्पू अग्निहोत्री, जयप्रकाश गौतम, दिलीप गौतम, साधन प्रजापति, मोहनलाल निषाद और अमित सविता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। श्रद्धा, एकता और सामाजिक समरसता से परिपूर्ण यह आयोजन क्षेत्र में एक सकारात्मक संदेश छोड़ गया।



उन्नाव में 3600 स्थानों पर शांतिपूर्ण ढंग से हुआ

होलिका दहन प्रशासन ने ली राहत की सांस

उन्नाव: होली पर्व के अवसर पर जनपद उन्नाव में होलिका दहन कार्यक्रम शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। जिलेभर में लगभग 3600 स्थानों पर होलिका दहन किया गया और कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। प्रशासन और पुलिस की व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के चलते पर्व हर्षोल्लास और सौहार्द के वातावरण में संपन्न हुआ।रात्रि में रिजर्व पुलिस लाइन उन्नाव में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने अपनी धर्मपत्नी नीतू सिंह, अध्यक्षा वामा सारथी के साथ विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर होलिका दहन किया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को रंग-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी गईं।कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी प्रेमचंद, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह, सहायक पुलिस अधीक्षक संचित शर्मा, क्षेत्राधिकारी सफीपुर सोनम सिंह, क्षेत्राधिकारी पुलिस लाइन विनी सिंह तथा प्रतिसार निरीक्षक सचिन राय सहित बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी, कर्मचारी और रिक्रूट आरक्षी मौजूद रहे।इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने सभी पुलिसकर्मियों को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि त्योहार आपसी भाईचारे, प्रेम और सद्भाव का संदेश देते हैं। उन्होंने सभी से शांति और सौहार्द बनाए रखते हुए पर्व मनाने की अपील की। साथ ही ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। जनपद में होलिका दहन के मद्देनजर पुलिस एवं प्रशासन द्वारा व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था तथा लगातार निगरानी रखी गई। अधिकारियों ने विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया।पुलिस विभाग के अनुसार, जिलेभर में सभी 3600 स्थानों पर कार्यक्रम शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। किसी भी अप्रिय घटना की सूचना न मिलने से प्रशासन ने राहत की सांस ली। पुलिस प्रशासन की अपील और सतर्क व्यवस्था के परिणामस्वरूप उन्नाव में होली का पर्व शांतिपूर्ण और उल्लासपूर्ण वातावरण में मनाया गया।



उन्नाव में हादसा, 10 फीट उछलकर गिरे लोग

उन्नाव: आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर मंगलवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे का रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला सामने आया है। तेज रफ्तार पिकअप अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और पिकअप पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर के झटके से पिकअप के पीछे खड़े तीन लोग करीब छह फीट हवा में उछलकर लगभग 15 फीट दूर जा गिरे। हादसे में चालक का सिर स्टेयरिंग से टकरा गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं चालक के पीछे बैठी तीन वर्षीय बच्ची ने भी दम तोड़ दिया। दुर्घटना में चार अन्य लोग घायल हो गए। हादसा बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में किलोमीटर संख्या 224 पर हुआ। सूचना मिलते ही यूपीडा (UPIDA) की टीम मौके पर पहुंची और तत्काल रेस्क्यू अभियान शुरू किया। घायलों को बाहर निकालकर एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) बांगरमऊ भेजा गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस की सतर्कता से बची 19 लाख रुपये की एटीएम लूट

मास्टरमाइंड सहित चार गिरफ्तार

- सदर बाजार पुलिस ने एटीएम लूट का प्रयास विफल किया।
- चार आरोपी गिरफ्तार, जिनमें एक युवती शामिल।
- एटीएम में लगभग 19 लाख रुपये होने की जानकारी आरोपियों को थी।
- राजेश ठेकेदार और मुख्य साजिशकर्ता



सदर बाजार थाना पुलिस ने खलासी लाइन क्षेत्र में गश्त के दौरान हिताची कंपनी के एटीएम के पास संदिग्ध गतिविधि पकड़ी। पुलिस को वहां बिना नंबर की बाइक खड़ी मिली और एटीएम का शटर आधा खुला था। संदेह होने पर पुलिस ने बाइक पर खड़े युवक से पूछताछ की। इसके बाद दो पुलिसकर्मी शटर उठाकर अंदर गए तो देखा कि एक युवती और दो युवक पेंचकस और अन्य औजारों से कैश बॉक्स खोलने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस ने मौके पर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम विनीत नैन, विकास कुमार, राजेश कुमार और तनु बताए। जांच में यह सामने आया कि राजेश हिताची एटीएम का ठेकेदार और इस पूरी योजना का मास्टरमाइंड था। राजेश और विकास एटीएम में साझेदार थे और लूट की योजना दोनों ने मिलकर बनाई थी। आरोपियों ने बताया कि लूट से मिलने वाली रकम को बराबर बांटने का निर्णय किया गया था। तनु ने विनीत की मुलाकात विकास से कराई थी, और दोनों पहले से परिचित थे। अपराधियों ने पहले एटीएम की रेकी की थी और एक दिन पहले अंदर लगे कैमरे को तोड़ दिया था, ताकि वारदात आसानी से हो सके। वे पासवर्ड और कैश की जानकारी पहले से जानते थे। इस योजना में लाइसेंसी रिवॉल्वर, दो पेंचकस, एक चाकू, दो मोबाइल फोन और एक बाइक का इस्तेमाल किया जा रहा था, जो पुलिस ने बरामद किए। जांच में पता चला कि विकास का एक कोचिंग सेंटर है, जहां तनु प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही थी। इसी कोचिंग के माध्यम से दोनों के बीच परिचय हुआ। विनीत ने रिवॉल्वर रखी थी और अन्य आरोपियों ने एटीएम खोलने में मदद की। पुलिस के अनुसार, राजेश इस योजना का मुख्य साजिशकर्ता था और उसे एटीएम से संबंधित हर जानकारी थी। सदर बाजार पुलिस ने होली से पहले इस बड़ी लूट की कोशिश को नाकाम कर दिया। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ जारी रखी है और यह जांच की जा रही है कि कहीं और कोई भी इसमें शामिल तो नहीं था। पुलिस के मुताबिक, यदि समय पर कार्रवाई नहीं की जाती तो एटीएम से लगभग 19 लाख रुपये की चोरी हो सकती थी।

ईरान-अमेरिका तनाव के बीच चंदौली के परिवार दुबई में फंसे, घर वापसी ठहरी

टीवी भारतवर्ष वाराणसी

मिडिल ईस्ट में ईरान और अमेरिका/इज़राइल के बीच बढ़ते संघर्ष के चलते उड़ानें रद्द हो रही हैं। इसी कारण उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले के दो परिवार के पांच लोग दुबई में फंसे हुए हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर के निवासी अजय जैन ने बताया कि उनके परिवार की वापसी का रास्ता बंद हो गया है। अजय जैन के बड़े बेटे प्रिंस जैन (27) की शादी इसी साल अप्रैल में होनी है। शादी को यादगार बनाने के लिए प्रिंस अपनी मंगेतर पायल जैन (26), छोटे भाई अरिहंत जैन (19), पायल के भाई मोनू जैन (30) और उनकी पत्नी मुस्कान जैन (28) के साथ प्री-वेडिंग फोटोशूट के लिए दुबई गए थे। परिवार 25 फरवरी को वाराणसी से दिल्ली के लिए निकला और 27 फरवरी को दुबई पहुंचा। उनका 2 मार्च को लौटने का कार्यक्रम था। अजय जैन ने बताया कि वे बुर्ज खलीफा के पास एक होटल में ठहरे थे। हालांकि, ईरान और खाड़ी देशों में तनाव बढ़ने के कारण सभी अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवाएं निलंबित कर दी गईं, और परिवार अपनी योजना अनुसार वापस नहीं लौट सका। परिवार के सदस्यों ने दुबई में भारतीय दूतावास से संपर्क किया। उन्हें संबंधित एयरलाइन से संपर्क करने की सलाह दी गई, लेकिन वापसी के लिए स्पष्ट जानकारी नहीं मिली। अजय जैन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप कर सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करने की अपील की है। अजय जैन ने कहा कि पूरे परिवार की चिंता इस बात को लेकर है कि बच्चे और रिश्तेदार अंतरराष्ट्रीय तनाव के कारण फंसे हुए हैं। शादी की तैयारियों और फोटोशूट की योजना अब अनिश्चितकाल के लिए रोक गई है।

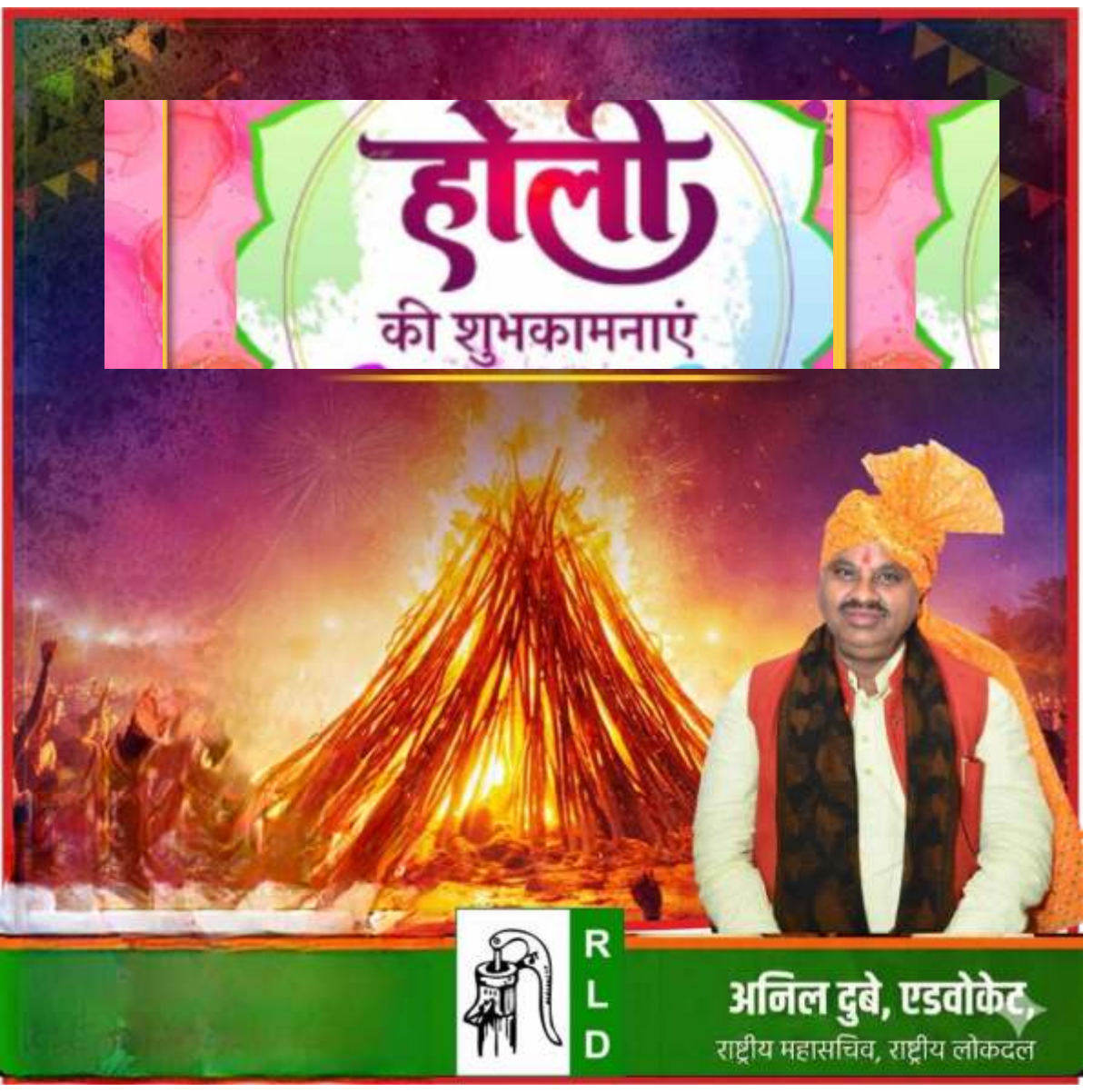


यूपी के महराजगंज में पत्नी ने पति को जिंदा जलाकर हत्या की

टीवी भारतवर्ष महराजगंज



जिले के श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत बासपार कोठी टोला पिपरा गांव में मंगलवार को एक हृदयविदारक घटना सामने आई, जिसने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया। आरोप है कि एक महिला ने अपने ही पति के घर में आग लगा दी और बाहर से दरवाजा बंद कर फरार हो गई। आग की चपेट में आने से पति की मौके पर ही जलकर मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस आरोपी पत्नी की तलाश में जुटी है और मामले की गहन जांच कर रही है।पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान रामपत (65) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि घटना के समय रामपत अपने घर में सो रहे थे। इसी दौरान उनकी पत्नी सुमित्रा (60) ने कथित रूप से घर के भीतर आग लगा दी। आग तेजी से फैल गई। आरोप है कि आग लगाने के बाद सुमित्रा घर से बाहर निकल गई और दरवाजे पर ताला लगा दिया, जिससे रामपत बाहर नहीं निकल सके। आग की लपटों में घिरने से उनकी जलकर मौत हो गई।ग्रामीणों ने जब घर से धुआं उठता देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही श्यामदेउरवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा खुलवाकर अंदर से जला हुआ शव बरामद किया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।ग्रामीणों के मुताबिक, रामपत और उनकी पत्नी सुमित्रा के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। स्थानीय लोगों का कहना है कि दोनों के बीच पारिवारिक कलह अक्सर होती रहती थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सुमित्रा पहले भी अपने पति को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर चुकी थी। हालांकि, इन सभी बिंदुओं की पुष्टि विस्तृत जांच के बाद ही की जाएगी।श्यामदेउरवा थाना प्रभारी अभिषेक सिंह ने बताया कि आरोपी महिला के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है और जल्द ही उसे पकड़ लिया जाएगा। पुलिस पूरे मामले की तह तक जाने के लिए हर पहलू की जांच कर रही है, जिसमें पारिवारिक विवाद और अन्य संभावित कारणों की भी पड़ताल की जा रही है।पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रारंभिक जांच में घर के भीतर किसी अन्य व्यक्ति के होने की संभावना नहीं पाई गई है। आग की घटना संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है, जिसकी वैज्ञानिक और तकनीकी तरीके से भी जांच की जाएगी।इस सनसनीखेज घटना से गांव में दहशत और शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने समय रहते पुलिस को सूचना देकर जांच में सहयोग किया। पुलिस प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।



यूपी में चंद्रग्रहण समाप्त, 15 मिनट तक दिखा लाल चांद



उत्तर प्रदेश में मंगलवार शाम 6 बजकर 48 मिनट पर चंद्रग्रहण समाप्त हो गया। ग्रहण के दौरान करीब 15 मिनट तक चंद्रमा लाल रंग में दिखाई दिया, जिसने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। ग्रहण समाप्त होते ही प्रदेश भर के मंदिरों में शुद्धिकरण की प्रक्रिया शुरू की गई। मंदिर परिसरों को धोया गया और इसके बाद कपाट खोलकर विधिवत पूजा-अर्चना प्रारंभ कर दी गई।मथुरा स्थित बांके बिहारी मंदिर और अयोध्या के राम मंदिर में संध्या आरती के साथ श्रद्धालुओं के लिए दर्शन-पूजन पुनः शुरू हो गया। सुबह से ही ग्रहण के कारण मंदिरों के कपाट बंद कर दिए गए थे। अयोध्या में राम मंदिर और हनुमानगढ़ी मंदिर में सुबह 8:15 बजे भगवान को भोग अर्पित करने के बाद कपाट बंद किए गए थे। काशी में दशाश्वमेध घाट पर प्रतिदिन होने वाली गंगा आरती भी ग्रहण के कारण निर्धारित समय से लगभग सवा घंटे की देरी से आयोजित की गई। ग्रहण समाप्त होने के बाद श्रद्धालुओं की उपस्थिति में विधि-विधान से आरती संपन्न हुई। प्रदेश के लखनऊ, आगरा, वाराणसी और प्रयागराज सहित लगभग सभी प्रमुख शहरों में चंद्रग्रहण स्पष्ट रूप से देखा गया। कई स्थानों पर लोगों ने छतों और खुले स्थानों से इस खगोलीय घटना का अवलोकन किया। यह इस वर्ष का पहला चंद्रग्रहण था, जिसे लेकर लोगों में उत्सुकता देखी गई।विज्ञान प्रसारिका सारिका घारू के अनुसार, इस दौरान चंद्रमा पृथ्वी की पूर्ण छाया से होकर गुजरा। उन्होंने बताया कि जब पृथ्वी सूर्य और चंद्रमा के बीच आ जाती है, तो सूर्य का प्रकाश सीधे चंद्रमा तक नहीं पहुंच पाता। पृथ्वी का वायुमंडल सूर्य की नीली रोशनी को बिखेर देता है और केवल लाल रंग का प्रकाश चंद्रमा तक पहुंचता है। इसी कारण पूर्ण चंद्रग्रहण के दौरान चंद्रमा तांबे या गहरे लाल रंग का दिखाई देता है। इस खगोलीय घटना को सामान्य भाषा में 'ब्लड मून' भी कहा जाता है । ग्रहण समाप्ति के बाद मंदिरों में सामान्य धार्मिक गतिविधियां पुनः शुरू हो गईं और श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ दर्शन-पूजन किया।